ताशकंद में साझेदारी की नई इबारत

उज्बेकिस्तान से 5 अरब डॉलर के व्यापार का लक्ष्य : मोदी

ताशकंद, 30 अगस्त. ताशकंद में रविवार को प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव के बीच हुई द्विपक्षीय वार्ता में व्यापार, निवेश, रक्षा, परमाणु ऊर्जा, महत्वपूर्ण खनिज, बुनियादी ढांचा, डिजिटल तकनीक, स्वास्थ्य, शिक्षा और कृषि सहित कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी.

दोनों देशों ने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को मौजूदा 1 अरब डॉलर से अधिक के स्तर से बढ़ाकर 5 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य तय किया है. मोदी ने कहा कि उज्बेकिस्तान मध्य एशिया के केंद्र में है और इस क्षेत्र के साथ भारत के जुड़ाव का भी महत्वपूर्ण केंद्र है. भारत और उज्बेकिस्तान के बीच संयुक्त व्यापारिक सम्मेलन आयोजित करने का निर्णय भी लिया गया है, जिसमें दोनों देशों के उद्योग जगत के प्रतिनिधि शामिल होंगे. दोनों पक्षों ने आतंकवाद, उग्रवाद और अलगाववाद को क्षेत्रीय शांति के लिए गंभीर चुनौती माना और इनसे निपटने के लिए जीरो टॉलरेंस की नीति जारी रखने पर सहमति जताई. सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए विदेश मंत्रियों के स्तर पर एक समन्वय परिषद बनाने तथा मौजूदा संयुक्त आयोग का स्तर सचिवों से बढ़ाकर मंत्रियों के स्तर पर करने का फैसला भी हुआ है. मोदी की यात्रा के दौरान खनन, आयुर्वेद, पर्यटन, आर्थिक एवं वित्तीय संवाद, उच्च शिक्षा और पर्यावरण सहित विभिन्न क्षेत्रों में समझौतों और सहयोग संबंधी दस्तावेजों का आदान-प्रदान हुआ. उज्बेकिस्तान में बौद्ध विरासत से जुड़े फयाज तेपा और कारा तेपा स्थलों के संरक्षण एवं पुनरुद्धार के लिए भी सहयोग की सहमति बनी है. दोनों देशों ने पारंपरिक चिकित्सा, स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ाने पर भी जोर दिया.

सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित

इसी यात्रा के दौरान राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव ने प्रधानमंत्री मोदी को उज्बेकिस्तान का सर्वोच्च राज्य सम्मान 'ओली दराजली दोस्तलिक' प्रदान किया. 'दोस्तलिक' का अर्थ मित्रता है. यह सम्मान दोनों देशों के संबंधों को मजबूत करने में मोदी के योगदान के सम्मान में दिया गया और यह उनके खाते में 36वां अंतरराष्ट्रीय सम्मान बताया गया है.

पीएम मोदी ने दिया नशामुक्त युवा पर जोर

मन की बात

नरेंद्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' के 137वें संस्करण में नशे के खिलाफ जागरूकता, स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने, स्वच्छता और युवाओं की भागीदारी पर जोर दिया. उन्होंने 'नशा मुक्त युवा-विकसित भारत' के संकल्प को जनआंदोलन बनाने का आह्वान किया और देश के अलग-अलग हिस्सों में बदलाव ला रहे लोगों के उदाहरण साझा किए. मोदी ने 'हर घर तिरंगा' अभियान का जिक्र करते हुए बताया कि इस वर्ष 8 करोड़ से अधिक तिरंगा सेल्फी अपलोड की गईं. उन्होंने 'सूर्यपथ तिरंगा' पहल का भी उल्लेख किया और कहा कि भारतीय तिरंगा दुनिया के अलग-अलग हिस्सों तक पहुंचा है. खेती में नए अवसरों की चर्चा करते हुए मोदी ने अवाकाडो की खेती का उदाहरण दिया. महिला उद्यमिता के संदर्भ में प्रधानमंत्री ने पीएम स्वनिधि योजना की जानकारी दी. उन्होंने बताया कि इसके लाभार्थियों में करीब 46 प्रतिशत महिलाएं हैं और लगभग 35 लाख महिलाएं योजना से जुड़ी हैं.

उज्बेकिस्तान से भारत को मिलेगा यूरेनियम का 'खजाना'

नई दिल्ली. भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए परमाणु ऊर्जा क्षमता बढ़ाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है. इसी बीच उज्बेकिस्तान के साथ यूरेनियम सहयोग को लेकर सामने आ रही खबरों ने दोनों देशों के रिश्तों को रणनीतिक नजरिए से महत्वपूर्ण बना दिया है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव के बीच बातचीत में यूरेनियम को लेकर विशेष चर्चा हो रही है. भारत के लिए यूरेनियम की उपलब्धता इसलिए अहम है क्योंकि परमाणु ऊर्जा उत्पादन के विस्तार के साथ परमाणु ईंधन की जरूरत भी बढ़ेगी. सरकार लंबे समय से ऊर्जा सुरक्षा के लिए परमाणु ऊर्जा को महत्वपूर्ण विकल्प के रूप में देख रही है. ऐसे में यूरेनियम की स्थिर और विविध आपूर्ति सुनिश्चित करना भारत की दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा है. उज्बेकिस्तान के साथ सहयोग बढ़ने पर भारत के पास परमाणु ईंधन के लिए एक और महत्वपूर्ण स्रोत उपलब्ध हो सकता है.

सेवा संकल्प अभियान के दौरान अलग संबोधन की तलाश

जेन-जी शब्द से युवा भाजपा असहमत

नवभारत न्यूज

नई दिल्ली, 30 अगस्त. बीजेपी ने युवाओं के बीच अपनी पहुंच और संवाद को मजबूत करने की दिशा में कवायद तेज कर दी है.

पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन की देशभर से चुने गए 45 युवा भाजपा नेताओं के साथ शनिवार को हुई बैठक में यह साफ कर दिया गया कि पार्टी जेन-जी शब्द का उपयोग नहीं करेगी, क्योंकि इस वर्ग में विभिन्न आयु वर्ग के युवा शामिल होते हैं. उन्हें एक ही मंच पर नहीं लाया जा सकता है. यही वजह है कि बैठक में प्रतिभागियों से संवाद बढ़ाने, भागीदारी सुनिश्चित करने और विभिन्न आयु वर्ग के युवाओं के साथ अलग-अलग तरीके से संपर्क स्थापित करने को लेकर सुझाव मांगे गए. बैठक में शामिल नेताओं ने कहा कि देश की पूरी युवा आबादी को एक ही श्रेणी में रखना उचित नहीं होगा.

युवाओं के बीच पकड़ बढ़ाने पर पार्टी का सर्वाधिक जोर

पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने युवाओं के साथ संपर्क बढ़ाने की जरूरत बताई. उन्होंने कहा कि पार्टी नेताओं को जब भी युवाओं के बीच जाना हो, वहां उनकी बातें भी सुननी चाहिए और सहभागिता का दायरा बढ़ाना चाहिए. बैठक में एक अन्य महत्वपूर्ण सुझाव पार्टी के पुराने समर्थकों और कार्यकर्ताओं से जुड़ा रहा. कुछ नेताओं ने कहा कि नई पीढ़ी के साथ संपर्क बढ़ाते समय लंबे समय से पार्टी से जुड़े लोगों को उपेक्षित महसूस नहीं होने देना चाहिए.

सिंधिया, सांघवी जैसे नेता संभालेंगे मोर्चा

पार्टी ने इस मोर्चे पर केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव, मनसुख मांडविया और ज्योतिरादित्य सिंधिया, राज्य मंत्री कमलेश पासवान, रक्षा खडसे, गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष सांघवी, राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा जैसे नेताओं को तैनात किया है. बैठक में शामिल सभी नेताओं अगले सात-आठ दिनों में अपने सुझाव संबंधित टीम लीडर तक पहुंचाने को कहा गया है.

हिमांशु भाऊ सिंडिकेट से जुड़े 4 आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली. दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल की काउंटर इंटेलिजेंस टीम ने हिमांशु भाऊ सिंडिकेट से कथित तौर पर जुड़े चार लोगों को राजस्थान के कोटा से गिरफ्तार किया है. पकड़े गए आरोपियों में 19 वर्षीय रमन उर्फ फौजी और 22 वर्षीय करण शामिल हैं. दोनों दिल्ली, हरियाणा और अन्य राज्यों में हुई कई आपराधिक घटनाओं के मामलों में वांछित थे. रमन और करण का नाम अया नगर हत्याकांड की जांच में सामने आया है. दोनों पर एक अन्य वारदात के दौरान 20 से ज्यादा राउंड गोली चलाने का भी आरोप है. रोहतक के रिटोली में हिमांशु भाऊ के कथित विरोधी सनी रिटोली पर हुए हमले से भी जुड़ा है.

अपने ही सम्मान न करें तो सवाल उठेंगे

बीसीआई पर जस्टिस नागरत्ना का सवाल

नई दिल्ली, 30 अगस्त. सुप्रीम कोर्ट की जज बी. वी. नागरत्ना ने कहा कि कानूनी व्यवस्था लंबित मामलों, देरी और बढ़ती लागत की समस्या से जूझ रही है. उन्होंने वकीलों से अपनी सोच बदलने, अपनी भूमिका पर पुनर्विचार करने और न्याय व्यवस्था को बनाए रखने के लिए एकजुट होकर आवाज उठाने का आह्वान किया.

जस्टिस नागरत्ना ने दिल्ली स्थित राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के 13वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि जब किसी बार काउंसिल को उसके सदस्य ही सम्मान नहीं देते, तो यह कानूनी पेशे के लिए अच्छा संकेत नहीं है. उन्होंने कहा कि बार काउंसिल को पेशेवर नैतिकता, सदाचार और पेशेवर दक्षता को बनाए रखने में अपनी भूमिका और महत्व पर आत्ममंथन करना चाहिए. उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि वकील भी परेशान वादियों को न्याय दिलाने और देश में लोकतंत्र को मजबूत बनाए रखने के प्रति अपने कर्तव्यों पर विचार करें. इस देश के वकील हमारे संविधान के मूल्यों के ध्वजवाहक हैं. बार की किसी भी चूक या गलती का हमारे राजनीतिक और नागरिक जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ेगा.

यही वजह है कि हमारे समाज में उनका इतना महत्व है. उन्होंने कहा, ''मैं बार के प्रत्येक सदस्य से विनम्रतापूर्वक आग्रह करती हूं कि वे अपनी सोच बदलें और अपने मुवक्किलों के लिए जनसेवा की भावना से काम करने का प्रयास करें, अन्यथा भविष्य में वे अपनी प्रासंगिकता खो सकते हैं.

घरों के बीच छिपे हथियार डिपो पर रूसी हमला

- गोला-बारूद, बारूदी सुरंगें और ड्रोन फटे
- 37 की मौत, 130 घरों को पहुंचा नुकसान

नई दिल्ली, 30 अगस्त. रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव के पास शनिवार को एक हथियार डिपो पर ड्रोन हमला किया. हमले के बाद डिपो में रखे गोले, बारूदी सुरंगें और ड्रोन फटने लगे. धमाकों से आसपास के घरों और दूसरी इमारतों को भारी नुकसान पहुंचा. बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, इस घटना में कम से कम 37 लोगों की मौत हुई है, जबकि 130 घरों को नुकसान पहुंचा है. इस हमले के बाद शनिवार को भी घटनास्थल पर

राहत और बचाव का काम जारी रहा. धमाकों में 42 लोग घायल हुए हैं, जिनमें चार बच्चे भी शामिल हैं. यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि हथियारों का यह भंडार रिहायशी इलाके के इतने करीब नहीं होना चाहिए था. रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसकी सेना ने कीव के पश्चिम में स्थित मिला गांव में एक हथियार डिपो को निशाना बनाया था.

यहां एफपी 1 और एफपी 2 लंबी दूरी तक उड़ान भरने वाले ड्रोन के पुर्जे और उन्हें लॉन्च करने वाले बूस्टर रखे गए थे. धमाकों से गांव के करीब 130 घर तबाह हो गए. 45 साल के स्थानीय निवासी ल्यूबोव पावलेंको का घर हथियार डिपो से करीब 200 मीटर दूर है. उन्होंने अपने घर का नुकसान दिखाते हुए बताया कि पूरी बाहरी दीवारों पर दरारें पड़ गई हैं और खिड़कियों के आसपास भी दरारें हैं. जेलेंस्की ने मिला गांव में हथियार रखने के फैसले को गलत बताया. उन्होंने कहा कि लोगों के घरों के इतने करीब विस्फोटक सामग्री नहीं रखी जानी चाहिए थी.

कानपुर हादसे में डीजीसीए ने पहले ही दी थी चेतावनी

- टेकनाम विमान की सुरक्षा पर उठाए थे सवाल
- उड़ान प्रशिक्षण संस्थानों को भेजी थीं सिफारिशें

नई दिल्ली, 30 अगस्त. कानपुर के पास 27 अगस्त को टेकनाम पी2006टी प्रशिक्षण विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद विमान की सुरक्षा और उड़ान प्रशिक्षण संस्थानों की निगरानी को लेकर सवाल गहराने लगे हैं.

इस हादसे में एक प्रशिक्षु पायलट और एक प्रशिक्षक की मौत हुई थी. अब आधिकारिक संचार से पता चला है कि हादसे से

करीब डेढ़ महीने पहले ही नागर विमानन महानिदेशालय ने टेकनाम विमानों को लेकर उड़ान प्रशिक्षण संस्थानों को सुरक्षा संबंधी सिफारिशें भेजी थीं. नियामक ने प्रशिक्षण संस्थानों से इन सिफारिशों पर तत्काल कार्रवाई करने को कहा था.

सवाल पूछना विद्रोह नहीं : जस्टिस उज्जल

- सुप्रीम कोर्ट जज की दीक्षांत में दो टूक
- छात्रों की अलग राय दबाने पर जताई चिंता

नई दिल्ली, 30 अगस्त. सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश उज्जल भुइयां ने कहा कि अलग राय रखने या सवाल पूछने वाले छात्रों को दंडात्मक कार्रवाई की धमकी नहीं दी जा सकती.

ऐसा करना असांविधानिक और सत्ता का दुरुपयोग है. न्यायमूर्ति भुइयां ने कहा कि विश्वविद्यालय ऐसी जगह होनी चाहिए, जहां 'स्थापित धारणाओं' की 'जांच और सवाल' किए जा सकें तथा असहमति का जवाब दुश्मनी से नहीं दिया जाए.

विश्वविद्यालय वह जगह है, जहां स्वतंत्र रूप से सोचने की आदत विकसित होती है और छात्र कठिन सवाल पूछने में संकोच नहीं करता. उन्होंने कहा कि सवाल पूछने का अधिकार विद्रोह नहीं है और 'असहिष्णु सोच' भारतीय संविधान की भावना के विपरीत है. शीर्ष अदालत के न्यायाधीश दिल्ली स्थित राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर छात्रों के 13वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे.

उन्होंने कहा जब छात्र अलग दृष्टिकोण रखते हैं, जब छात्र सवाल पूछते हैं, तो उन्हें दंडात्मक कार्रवाई की धमकी नहीं दी जा सकती. यह असांविधानिक है. यह सत्ता और पद का दुरुपयोग है. भारतीय संविधान यह मानता है कि एक स्वतंत्र समाज में अलग-अलग विचार और मान्यताएं होंगी. सार्वजनिक जीवन में सार्थक भागीदारी तभी संभव है, जब असहमति के लिए जगह हो. उन्होंने कहा कि सहिष्णुता एक 'सांविधानिक मूल्य' है. बुद्ध और गांधी की भूमि भारत में 'असहिष्णु सोच' के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए, क्योंकि यह भी एक तरह की हिंसा है.

एक नजर में

महिला ने कुचला 8 साल का बच्चा

मुंबई. मुंबई के बांद्रा इलाके में रविवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसे में 8 साल के बच्चे की मौत हो गई. हादसे के समय कार एक महिला जिम ट्रेनर चला रही थी. प्रत्यक्षदर्शियों ने आरोप लगाया कि महिला ड्राइविंग के दौरान फोन पर बात कर रही थी और इसी वजह से उसका ध्यान सड़क से हट गया. घटना के बाद बांद्रा पुलिस ने महिला को हिरासत में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है. बताया गया कि बच्चा सड़क किनारे खड़ा था और सड़क पार नहीं कर रहा था. दोपहर करीब 3:30 से 4 बजे के बीच तेज रफ्तार कार अचानक उसकी ओर आई और उसे अपनी चपेट में ले लिया. प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, टक्कर के बाद कार के दोनों पहिए बच्चे के ऊपर से गुजर गए. घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने कार को रोकने की कोशिश की.

शोपियां में राम मंदिर का सपना साकार

श्रीनगर. जम्मू-कश्मीर के शोपियां के ताक मोहल्ला में दशकों बाद कश्मीरी पंडित समुदाय ने अपनी सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत को फिर से जीवित करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है. सैकड़ों कश्मीरी पंडित इस मौके पर इकट्ठा हुए और पारंपरिक पूजा तथा हवन के साथ राम मंदिर के निर्माण के लिए नींव का पत्थर रखा गया. यह मंदिर उस ऐतिहासिक स्थान पर बन रहा है जहां कभी समुदाय की गहरी आस्था जुड़ी हुई थी. पुरातत्व और विरासत विभाग ने अपनी हेरिटेज संरक्षण योजना के तहत इस मंदिर के निर्माण के लिए धनराशि मंजूर की है, जिससे इस पुराने धार्मिक स्थल के पुनर्निर्माण का रास्ता साफ हो गया है.

हस्तियों के ट्वीट

महिंद्रा ग्रुप के चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने सोशल मीडिया पर ट्वीट कर लिखा की हममें से ज्यादातर लोग अब इंदौर को भारत के सबसे साफ़ शहर के तौर पर जानते हैं. सिर्फ़ यही नाम यहाँ आने के लिए काफ़ी है. लेकिन किसे पता था कि इसके ठीक बाहर कुछ इतना जादुई है. गुलावट की मशहूर 'लोटस वैली'. पानी पर तैरते गुलाबी फूलों का फैलाव. और यहाँ ट्विस्ट है. नाम के बावजूद, उनमें से कई फूल असली कमल के बजाय वाटर लिली लगते हैं.

टेस्ला के सीईओ एलोन मस्क ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट के जरिए जलवायु परिवर्तन और संभावित विनाशकारी घटनाओं को लेकर चिंता जताई. उन्होंने दावा किया कि बेहद गंभीर विलुप्ति की घटनाएं लगभग हर 100 वर्ष में हो सकती हैं. मस्क ने लिखा कि घटनाएं हर 100 साल में होती हैं और सिर्फ़ सस्टेनेबल एनर्जी पर स्विच करना उन्हें रोकने के लिए काफ़ी नहीं होगा. टेम्परेचर कंट्रोल करने के लिए स्पेस सैटेलाइट और बड़े पैमाने पर जियो-इंजीनियरिंग की ज़रूरत होगी.

कांग्रेस के नारों का किया शुद्धिकरण

राहुल के आरोपों पर धामी का पलटवार

नई दिल्ली, 30 अगस्त. हल्द्वानी में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की रैली के बाद कथित 'शुद्धिकरण यज्ञ' को लेकर उत्तराखंड की सियासत फिर गरमा गई है. कांग्रेस नेता राहुल गांधी के धामी सरकार पर हमले के बाद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पलटवार किया है.

धामी ने साफ कहा कि हल्द्वानी में किसी जाति के शुद्धिकरण का यज्ञ नहीं हुआ, बल्कि रैली के दौरान लगाए गए कथित धार्मिक नारों से आहत भावनाओं के बाद रामलीला मैदान में यज्ञ कराया गया.

यज्ञ कराने वाले लोग बीजेपी के पदाधिकारी या कार्यकर्ता नहीं हैं. उन्होंने दावा किया कि हिंदू सामाजिक संगठनों ने रैली के बाद रामलीला मैदान का शुद्धिकरण कराया था. धामी ने कहा कि इस आयोजन का संबंध किसी व्यक्ति या जाति से नहीं था. उनके अनुसार, रैली में एक धर्म विशेष से जुड़े कथित नारे लगाए गए थे, जिससे हिंदू समाज की भावनाएं आहत हुईं. धामी ने कांग्रेस के आरोपों पर तंज कसते हुए कहा कि उत्तराखंड में बहुत कम लोग जानते हैं कि मल्लिकार्जुन खड़गे किस जाति से आते हैं. ऐसे में खड़गे के नाम पर जातीय शुद्धिकरण की बात का सवाल ही नहीं उठता. मुख्यमंत्री ने कांग्रेस की ओर से लगाए गए आरोपों को खारिज करते हुए इसे जातीय राजनीति से जोड़ने पर सवाल उठाए.

आज का इतिहास

1940- मराठी भाषा के प्रसिद्ध साहित्यकार शिवाजी सावंत का जन्म।
1956- भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने राज्य पुनर्गठन विधेयक को मंजूरी दी.
1959- अमेरिकी बेसबॉल खिलाड़ी सैंडी कुफैक्स ने एक नेशनल लीग रिकॉर्ड बनाया.
1962 - कैरेबियाई देश टोबैगो एवं त्रिनिदाद ब्रिटेन से स्वतंत्र हुए.
1964- कैलिफोर्निया आधिकारिक रूप से अमेरिका का सबसे अधिक जनसंख्या वाला प्रांत बना.

मंत्रियों के बच्चे खाएं स्कूलों का खाना

स्कूल में मिले एक्सपायर मसाले को लेकर दिपके का तंज

नवभारत न्यूज

संभाजीनगर, 30 अगस्त. सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने अपने गृह जिले महाराष्ट्र के हिंगोली के औंढा में एक सरकारी स्कूल का दौरा किया. उन्होंने यह दौरा स्कूल ठीक करो अभियान के तहत किया.

इस दौरान उन्होंने छात्रों को दिए जाने वाले भोजन के सामान में एक्सपायर्ड मसाले के पैकेट मिलने का दावा किया. उन्होंने स्कूल में खराब पानी के फिल्टर और स्कूल के बाथरूम में पानी की कमी का मुद्दा भी उठाया. छात्र कार्यकर्ता दिपके ने मीडिया को मसालों के पैकेट दिखाए और दावा किया कि इनकी एक्सपायरी फरवरी में हो चुकी थी.

उन्होंने कहा कि छात्रों को फरवरी में एक्सपायर हो चुके पैकेट से खाना दिया जा रहा है और अब सितंबर शुरू होने वाला है. उन्होंने सवाल किया कि क्या मंत्रियों के बच्चों को भी इन्हीं पैकेट से खाना खिलाया जाएगा. छात्र गरीब परिवारों से आते हैं, इसलिए उन्हें एक्सपायर हो चुका खाना खिलाया जाएगा. दिपके ने आरोप लगाया कि छात्रों के साथ जानवरों से भी बदतर व्यवहार किया जा रहा है. उन्होंने कहा कि स्कूल में 87 छात्रों के लिए केवल दो कमरे हैं, जबकि चार कक्षाएं स्वीकृत हैं.

न पानी की बेहतर व्यवस्था और न ही शौचालय

दीपके ने स्कूल की पानी की टंकी की जांच की और उसमें मौजूद पानी को भी देखा. उन्होंने संबंधित क्षेत्र के अधिकारी से भी बात की. अधिकारी से फोन पर बात करते हुए दिपके ने कहा कि भोजन के पैकेट छह महीने से इस्तेमाल किए जा रहे हैं. उन्होंने कहा कि स्कूल में फिल्टर लगा है, लेकिन उसके काम नहीं करने की वजह से छात्र बोरवेल का पानी पी रहे हैं. उन्होंने यह भी कहा कि बाथरूम में पानी नहीं है.

वननेस सेलिब्रेशन ▶ न्यूयॉर्क में भारतीयों के बीच बोले संघ प्रमुख, बतलाई भारत की विशेषताएं

विविधता-एकता भारत का डीएनए : भागवत

न्यूयॉर्क, 30 अगस्त, (एजेंसी). न्यूयॉर्क के मैडिसन स्क्वायर गार्डन में यूनिवर्सल वननेस सेलिब्रेशन में रविवार को भारतीय मूल के लोगों को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ प्रमुख भागवत ने कहा कि राष्ट्र केवल भौगोलिक क्षेत्र नहीं होते.

उन्होंने कहा कि हर राष्ट्र का एक खास मकसद और जिम्मेदारी होती है. राष्ट्र केवल भौगोलिक इकाइयां नहीं हैं. हर राष्ट्र को एक संदेश देना होता है. हर राष्ट्र को एक मिशन पूरा करना होता है. भारत की नियति दुनिया के कई अंतरों के बीच छिपी

एकता को पहचानना और समय-समय पर मानवता को उस सिद्धांत की याद दिलाना है. हम एक हैं और विविधता के कारण ही वह एकता और भी सुंदर लगती है.

इसलिए विविधता का जश्न मनाया जाना चाहिए, उसका सम्मान किया जाना चाहिए और उसे स्वीकार किया जाना चाहिए. जब हम भारत कहते हैं तो उसका अर्थ विविधता में एकता है. भारत के लिए यह एकता और यह विविधता दोनों ही उसके डीएनए में हैं. धार्मिक नेताओं की मौजूदगी में उन्होंने कहा कि दुनिया को बदलने की शुरुआत बड़े अंतरराष्ट्रीय मंचों से नहीं, बल्कि स्थानीय स्तर से होनी चाहिए. उनका जोर इस बात पर था कि अलग-अलग समुदायों के लोग साथ काम करें, एक-दूसरे का सम्मान करें और सेवा को जीवन का हिस्सा बनाएं.

'हम' और 'हमारा' का सोच जरूरी

भागवत ने कहा कि हर मनुष्य का अपना सम्मान है और इंसानों के बीच कोई भेद नहीं है. उनके मुताबिक वास्तविकता यह है कि हम सब एक हैं. उन्होंने कहा कि संविधान में भी समानता पर जोर दिया गया है, लेकिन केवल राजनीति के जरिए समाज में यह बदलाव नहीं आ सकता. उन्होंने कहा कि जहां 'मैं और मेरा' की सोच होती है, वहां समाधान नहीं निकलता. इसके बजाय 'हम और हमारा' की भावना ही आगे बढ़ने का रास्ता है. उन्होंने भारत के अनुभव का जिक्र करते हुए कहा कि बदलाव की शुरुआत समाज से होनी चाहिए.